छोड़ जगत की बाता ने तू राम जी को नाम संभाल

छोड़ जगत की बाता ने,
तू राम जी को नाम संभाल,
खो दियो कचरा में।bd।

राम नाम में मातो ठनके,
झूटी बातां में ऊबो कड़के,
आयोड़ो अवसर जाय,
बातां बातां में।bd।

थारी मारी में उमर बीती,
मिले नहीं लाभ बातां सब रीती,
भाया कर ले सुकरत काम,
मनख जमारा में।bd।

राजा रावण जरासंध देखो,
वाके अभिमानी को ठेको,
मर गया कुत्ता की मौत,
जो करड़ाई में।bd।

कर सेवा यो अवसर आयो,
मानव पद तूने मुश्किल पायो,
थने सतगुरु देवे ग्यान,
सत का शब्दा में।bd।

गोकुल स्वामी सतगुरु दाता,
दे उपदेश जीव जगाता,
लादूदास करे पुकार,
मौज फकीरी में।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तू राम जी को नाम संभाल,
खो दियो कचरा में।bd।

गायक – चम्पा लाल प्रजापति।
मालासेरी डूँगरी 89479-15979

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com